

## मुख्यमंत्री ने कथि छत्तीसगढी पत्रिका 'अरई तुतारी' और गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी' का वमिोचन

### चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढी राजभाषा दविस पर अपने नविस कार्यालय में छत्तीसगढी मासकि पत्रिका 'अरई तुतारी' और छत्तीसगढी गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी' का वमिोचन कथि।

### परमुख बढि

- मासकि पत्रिका 'अरई तुतारी' की संपादकीय टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 'अरई तुतारी' छत्तीसगढी भाषा की पहली मासकि पत्रिका है। इसमें छत्तीसगढी की संस्कृति के वविधि आयामों जैसे यहाँ के परव, लोकनृत्य, पर्यटन स्थल, सनिमा, साहित्य आदि से जुड़े आलेखों का संग्रह छत्तीसगढी भाषा में कथि गया है।
- छत्तीसगढी गीत संग्रह 'चंदन अस मोर गाँव के माटी' के गीतकार चंपेश्वर गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस संग्रह के माध्यम से उन्होंने छत्तीसगढी भाषा में लखि अपने 72 गीतों को कतिाब की शकल दी है।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने संस्कृति एवं पुरातत्त्व वमिाग की ओर से आयोजति कार्यक्रम में प्रदेश के 13 साहित्यकारों को छत्तीसगढी भाषा के प्रति उनकी सेवा को देखते हुए सम्मानति कथि। साथ ही मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढी भाषा के 10 साहित्यकारों की रचनाओं का वमिोचन भी कथि।
- मुख्यमंत्री ने जागेश्वर प्रसाद, रामेश्वर शरमा, दुर्गा प्रसाद पारकर, रामनाथ साहू (सभी रायपुर), डा. जेआर सोनी (दुर्ग), पीसी लाल यादव (सकृती), सोरनि चन्द्रसेन (महासमुंद), परमानंद वर्मा (खैरागढ), बुधराम यादव (बलिसपुर), रंजीत सारथी (सरगुजा), डा. शैल चंद्रा एवं डुमन लाल (धमतरी) और रुदर नारायण पाणगिराही (जगदलपुर) को छत्तीसगढी भाषा के प्रति उनके वशिष योगदान के लयि सम्मानति कथि।
- मुख्यमंत्री ने महेत्तरू मधुकर की रचना 'गुरतुर भाखा', डॉ. सुरेश कुमार शरमा की 'वालमकी रामायण', सुखदेव सहि अहलिेश्वर की 'बंगस्य छंद अंजोर', तेजपाल सोनी की 'मद भगवत गीता', सुमन लाल धरुव की 'गाँव ल सरिजाबो', राजेंद्र प्रसाद सनिहा की 'अमरईया हे मनभावन', कमलेश प्रसाद शरमा बाबू की 'कुटसि बंदरा जझरग-जझरग', डॉ. शलिपी शुक्ला की छत्तीसगढी महिला लेखन और उर्मलिा शुक्ल की रचनाएँ तथा पी.सी. लाल यादव की कृतयों का वमिोचन कथि।